RE. ATROCITIES ON SOME RESIDENTS OF NEW SEEMAPURI, DELHI BY THE POLICE

मौलाना असद मदनी (उत्तर प्रदेश) : जनाब वाइस चैयरमेन साहब 23 दिसंबर के "कौमी आवाज" में यह खबर है कि पुलिस ने 150 वासिन्दों को बंगलादेशी कहकर न्यू सीमापुरी से गिरफ्तार किया है कल रात में। बताया जाता है कि पुलिस वाले अचानक रात को इन लोगों के इलाके में पहुंचे और बहुत से लोगों के घरों के दरवाजे तोड़कर अंदर मौजूद लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस वालों ने पहले मुवाइयना तौर पर औरतों के साथ बदसलूकी भी की और उन्हें किसी वारंट के बगैर रात में ही थाने पर चलने के लिए मजबूर किया। इलाकों के लोगों के मुताबिक तकरीबन एक दर्जन बच्चों को पुलिस ने इसलिए पकड़ रखा है कि उनके वालिदेन हाथ नहीं आए। पुलिस ने उन्हें इस तरह से यर्गमाल बना रखा है और धमकी दी है कि अगर उनके मां-बाप थाने में हाजिर नहीं हुए तो बच्चों को बेसहारा करार देकर यतीमखाने भेज दिया जाएगा।

थाना इंचार्ज इलाके के ए. सी. पी. और शुमाल-मशरीकी जिले के डी. सी. पी. से इस वाकिए के सिलसिले में राफ्ते की कोशिशें नाकाम हो गयीं। ताहम थाने के ड्यूटी आफिसर ने इस बात की तस्दीक की कि कल रात कई बंगालियों को पकड़ा गया था। ये सभी लोग "ई" ब्लाक न्यू सीमापुरी के हैं। गुजिश्तां चार वर्षों में इस कालोनी के तकरीबन निस्फ आबादी को जोकि 30 हजार की बतायी जाती है धकेल दिया गया है।

1.00 P.M.

जिन लोगों को कल रात पकड़ा गया उनके नाम भी वोटर लिस्ट से निकाले जा चुके हैं जबकि उनके राशन-कार्ड और जनता सरकार के दौर में जारी किए गए शिनाख्त कार्ड भी मौजूद हैं। इनमें से बेशतर अकल्लियती फिरके के लोग हैं। ताहम अक्सरियती फिरके के चन्द लोग पकड़े जाते रहे हैं जिन्हें बाद में पुलिस छोड़ देती है। दो साल पहले भी सैकड़ों अफराद को पुलिस ने इसी तरह से पकड़ा था।

मैं नायब सदर साहब की इसी तरफ तवज्जो दिलाना चाहता हूं कि इस तरह के जो मआलिम कि जो वोटर लिस्ट से लाखों हर-हर सूबे से कटे हैं और इस तरह लोगों को अंधाधुंध हिन्दुस्तानी शहरियों को भी बड़ी मिकदार में जगह-जगह परेशान किया जा रहा है और परेशान किया जा सकता है। बेहतर यह है कि हाउस एक कमेटी बनाए और भेजें और तहकीक करे कि गोया इसमें सब हिन्दुस्तानी हैं या कोई गैर-मुल्की भी है। अगर कोई गैर-मुल्की है तो उसके मामले से हमें कोई बहुत दिलचस्पी नहीं है लेकिन अगर हिन्दुस्तानी शहरियों को इस तरह से परेशान किया जा रहा है और बाहरी समझकर उन्हें जिस तरह से चाहे उजाड़ दिया जाए, उजाड़ दिया जाए, तो यह उन पर बहुत बड़ा अन्याय होगा। इस तरह से उनके कागजात, असासे सामान, सबूत, सब चीजें बर्बाद कर दी जाती हैं।

इसलिए इस तरफ फौरी तौर पर हाउस को तवज्जो करनी चाहिए और मेरी दरख्वास्त यह है कि तीन आदमियों की एक कमेटी भेजी जाए .... (व्यवधान) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Kindly conclude. This is only Zero Hour.

मौलाना असद मदनी: जो यह तहकीक करे कि वे हिन्दुस्तानी हैं या कोई गैर-मुल्की हैं ताकि आइंदा के लिए इस तरह के गलत मुकदामात और जुल्म यूं ही आयतन् न किए जाएं और इस तरह कम्युनल फोर्सिस को कामयाबी का मौका न मिले और यहां अमन-ओ-कानून बरकरार रहे और हिन्दुस्तानी शहरियों को परेशान न किया जा सके।

†[مولانا اسعد مدنی (اتر پردیش) : جناب وائس چیرمین صاحب ۲۳ دسمبر کے "قومی آواز" میں یہ خبر ہے کہ پولیس نے ۱۵۰ باشندوں کو بنگلہ دیشی کہہ کر نیو سیما پوری سے گرفتار کیا ہے کل رات میں - بتایا جاتا ہے کہ پولیس والے اچانک رات کو ان لوگوں کے علاقہ میں پہنچنے اور بہت سے لوگوں کے گھروں کے دروازے توڑ کر اندر موجود لوگوں کو گرفتار کر لیا - پولیس والوں نے پہلے مبینہ طور پر عورتوں کے ساتھہ بدسلوکی بھی کی اور انہیں کسی وارنٹ کے بغیر رات میں ہی تھانے پر چلنے کے لئے مجبور کیا - علاقے کے لوگوں کے مطابق تقریباً ایک درجن بچوں کو پولیس نے اسلئے پکڑ رکھا ہے کہ ان کے والدین ہاتھ نہیں آئے - پولیس نے انہیں اس طرح سے یرغمال بنا رکھا ہے اور دھمکی دی ہے کہ اگر ان کے ماں باپ تھانے میں حاضر نہیں ہوئے تو بچوں کو بے سہارا قرار دے کر یتیم خانے بھیج دیا جائیگا -

تھانا انچارج اے- سی- پی- اور شمال مشرقی ضلع کے ڈی-سی- پی- سے اس واقعہ کے سلسلے میں رابطے کی کوشش نا کام ہو گئی تاہم تھانے کے ڈیوٹی آفیسر نے اس بات کی تصدیق کی کہ کل رات کئی بنگالیوں کو پکڑا گیا تھا یہ سبھی لوگ ای- بلاک نیو سیما پوری کے ہیں - گزشتہ چار ورشوں میں اس کالونی کے تقریباً نصف آبادی کو جو کہ ۳۰ ہزار بتائی جاتی ہے دھکیل دیا گیا ہے - جن لوگوں کو کل رات پکڑا گیا ان کے نام بھی ووٹر لسٹ سے نکالے جا چکے ہیں جبکہ انکے راشن کارڈ اور جنتا سرکار کے دور میں جاری کئے گئے شناخت کارڈ بھی موجود ہیں - انہیں سے بیشتر اقلیتی فرقہ کے لوگ ہیں - تاہم اکثریتی فرقہ کے چند لوگ پکڑے جاتے رہے ہیں جنہیں بعد میں پولیس چھوڑ دیتی ہے - دو سال پہلے بھی سینکڑوں افراد کو پولیس نے اسی طرح سے پکڑا تھا -

میں نائب صدر صاحب کی اسطرف توجہہ دلانا چاہتا ہوں کہ اسطرح کے جو مظالم کہ جو ووٹر لسٹ سے لاکھوں ہر ہر صوبہ سے کٹی ہیں اور اسطرح لوگوں کو اندھا دھند ہندوستانی شہریوں کو بھی بڑی مقدار میں جگہہ جگہہ پریشان کیا جا رہا ہے اور پریشان کیا جا سکتا ہے - بہتر یہ ہے کہ ہاؤس ایک کمیٹی بنائے اور بھیجے اور تحقیق کرے کہ گویا اسمیں سب ہندوستانی ہیں یا کوئی غیر ملکی بھی ہے - اگر کوئی غیر ملکی ہے تو اسکے معاملہ سے ہمیں کوئی بہت دلچسپی نہیں ہے - لیکن اگر ہندوستانی شہریوں کو اسطرح سے پریشان کیا جا رہا ہے اور باہری سمجھکر انہیں جسطرح سے چاہے اکھاڑ دیا جائے- اجاڑ دیا جائے تو یہ ان پر بہت بڑا

انیٹائے ہوگا۔ اسطرح سے انکے کاغذات۔
اساسے سامان۔ ثبوت سب چیزیں برباد
کر دی جاتی ہیں ۔

اسلئے اسطرف فوری طور پر ھاؤس
کو توجہہ کرنی چاھئے اور میری
درخواست یہ ھے کہ تین آدمیوں کی
ایک کمیٹی بھیجی جائے ''مداخلت''

مولانا اسد مدنی : جو یہ تحقیق
کرے وہ ھندوستانی ھیں یا کوئی
غیر ملکی ھیں تا کہ آئندہ کیلئے
اسطرح کے غلط اقدام اور ظلم یونہی
عادتاً نہ کئے جائیں اور اسطرح کمیونل
فورسیز کو کامیابی کا موقع نہ ملے
اور یہاں امن و قانون برقرار رھے اور
ھندوستانی شہریوں کو پریشان نہ کیا
جا سکے ۔]

SHRI JIBON ROY (West Bengal) : Sir, I want to associate myself with the hon. Member. Ruthless persecution of Bengalis is going on.

RE. DEMAND TO START THE CONSTRUCTION WORK OF DR. AMBEDKAR UNIVERSITY IN LUCKNOW, UTTAR PRADESH

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय लखनऊ में, जो हमारे उत्तर प्रदेश की राजधानी है, हमारे भूतपूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी ने बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर एक यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया था, उस पर काफी काम आगे बढ़ा भी था—जमीन एक्वायर हो गई, बिल्डिंग भी बनने लगी, चार दीवारी वगैरह । इस बीच में दो-दो सरकारें प्रदेश में आई, नहीं बना पाई। फिर केन्द्रीय सरकार से मांग की गई कि केन्द्रीय सरकार उसको केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाए। सरकार ने निर्णय भी ले लिया, लेकिन अभी तक कोई काम शुरू नहीं हुआ है। महोदय, जो कल्पना थी राजीव जी की, उस कल्पना को मूर्त रूप देने के लिए यह आवश्यक है कि इस विश्वविद्यालय का निर्णय कराया जाए और उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में सतत् प्रयत्न किया जाए।

इसलिए इस बात के आधार पर मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि सरकार इस पर गंभीरता के साथ विचार करे और जल्दी से जल्दी इतनी धनराशि निर्धारित करे ताकि उस विश्वविद्यालय के निर्माण का काम आरम्भ हो सके और राजीव जी के सपनों को मूर्त रूप दिया जा सके।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : We shall now take up the Appropriation Bill (No. 5) of 1993... (*Interruptions*).

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar) : My name was also there in the list.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : उप सभाध्यक्ष महोदय, हमको एक घोषणा करनी है।

उपसभाध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य लोग सदन में कुछ दिन : . . (**व्यवधान**) . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Gautam, please take your seat.

RE LINKING GAYA; A PILGRIMAGE IN BIHAR, BY AIRWAYS

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : महोदय, मैं सदन के सामने एक आवश्यक विषय को उठाना चाहती हूं। मेरे प्रान्त में, बिहार प्रान्त में "गया" शहर एक बहुत पुराना शहर है। 2600 साल पहले शाक्य राजपुत्र गौतम, जो बाद में भगवान बुद्ध हुए, उन्होंने बोध वृक्ष के नीचे निरंजना नदी के किनारे तपस्या की और उनको जो ज्ञान प्राप्त हुआ, उसके बाद वे गौतम बुद्ध कहलाए। उन्होंने दुनिया में प्रेम, शांति, एकता और सेवा की भावना को प्रचारित किया, उनके शिष्यों ने प्रचारित किया और यह धर्म आगे चलकर बुद्धिज्म कहलाया, बौद्ध धर्म कहलाया। सम्राट अशोक, जिनका निशान धर्म चक्र और सिंह को हमने अपना राष्ट्रीय चिन्ह बनाया है वह भी सम्राट अशोक का ही चिन्ह रहा है। सम्राट अशोक ने दक्षिण एशिया चीन, मंगोलिया,

†[ ] Transliteration in Arabic Script.